

प्रेषक,

श्याम सिंह,
अनुसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 30 दिसम्बर, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्यटन विकास की नई योजनाओं हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-258/2-6-537/2008-09, दिनांक 03 नवम्बर, 2008 व पत्र संख्या-257/2-6-537/2008-09, दिनांक 03 नवम्बर, 2008 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्यटन विकास की नई योजनाओं हेतु रु0 41.00 लाख के आगणनों पर तकनीकी प्रकोष्ठ द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत रु0 39.63 लाख (रुपये उनतालिस लाख तिरसठ हजार मात्र) की लागत के आगणन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में रु0 15.00 लाख (रुपये पंद्रह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	जनपद/योजना का नाम	आगणन की लागत	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि	वित्तीय वर्ष 2008-09 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4	5
	जनपद-ऊधमसिंह नगर			
	विधानसभा बाजपुर			
1	नानकसर गुरुद्वारा गजरौला विकास खण्ड बाजपुर धार्मिक स्थल पर गुरुद्वारा भवन का सौन्दर्यीकरण एवं बाउन्ड्रीवाल का निर्माण	15.00	14.78	5.00
	जनपद-हरिद्वार			
	विधानसभा हरिद्वार			
2	वि0ख0 बहादुराबाद व नगर हरिद्वार में स्थित खन्ना नगर के समीप गंगा घाट के किनारे मंदिर का सौन्दर्यीकरण	20.00	19.29	7.00
	जनपद-देहरादून			
	विधानसभा ऋषिकेश			
3	ऋषिकेश स्थित सोमेश्वर मंदिर स्थल का सौन्दर्यीकरण, वि0ख0-डोईवाला	6.00	5.56	3.00
	योग :-	41.00	39.63	15.00

2-स्वीकृत की जा रही धनराशि दिनांक 31 मार्च, 2009 तक उपयोग कर कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन स्तर पर प्रस्तुत कर दिया जायेगा और उक्त विवरण एवं पूर्व स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही आगामी अवशेष किस्त की धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

3-निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व निर्माण एजेन्सी से शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार मानक अनुबन्ध निष्पादित कर लिया जायेगा।

4-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5-कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

- 6-कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 7-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- 8-एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए।
- 9-कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 10-निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए।
- 11-कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 12-निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
- 13-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 14-स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2009 तक पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 15-वर्ष के अंत में यदि निर्माण इकाई के पास धनराशि अवशेष बचती है तो उसे राजकोष में जमा कराया जायेगा तथा अवशेष धनराशि को निर्माण इकाई के खाते में जमा रखने की अनुमति नहीं होगी।
- 16-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-2009 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-49-पर्यटन विकास की नई योजनाएँ-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामें डाला जायेगा।
- 17-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-991/XXVII(2)/2008, दिनांक 22 दिसम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।

संख्या-1079 / VI / 2008-3(3)2008 टी0सी0-5 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर।
- 5- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- वित्त अनुभाग-2,
- 8- श्री एल0एम0पन्त, सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर।
- 11- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 12- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(श्याम सिंह)
अनुसचिव।